B.A. 5TH Sem (Honours) Examination, 2020

Subject- HINDI

PAPER – CC-12

(छायावादोत्तर काव्य)

TIME – 3 HRS **FULL MARKS – 60**

The Figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **छह** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए 6x5 = 30

(क) ''धर्म का दीपक, दया का दीप/ कब जलेगा, कब जलेगा। विश्व में भगवान?/ कब सुकोमल ज्योति से अभिसिक्त/ हो, सरस होंगे जली- सूखी रसा के प्राण?''

(ख) "कौन द्वारी/ कौन आगारी, न जाने/ पर द्वार के प्रतिहरी को/ भीतर के देवता ने/ किया बार- बार पा-लागन"।

(ग) "बहुत दिनों के बाद/ अबकी मैंने जी-भर देखी/ पकी-सुनहरी फसलों की मुस्कान"।

(घ) "पानी में घिरे हुए लोग/ प्रार्थना नहीं करते/ वे पूरे विश्वास से देखते हैं पानी को/ और एक दिन/ बिना किसी सूचना के/ खच्चर बैल या भैंस की पीठ पर/ घर -असबाब लादकर/ चल देते हैं कहीं और"।

(ड़) "हम निहारते रूप/ काँच के पीछे/ हाँफ रही है, मछली/ रूप तृषा भी/ (और काँच के पीछे)/ है जिजीविषा"।

(च) "कितना भव्य था/ एक सूखते हुए वृक्ष की फुनगी पर/ महज तीन-चार पत्तों का हिलना/ उस विकट सुखाड़ में सृष्टि पर पहरा दे रहे थे/ तीन-चार पत्ते"।

(छ) "सावधान, मनुष्य! यदि विज्ञान है तलवार/ तो इसे दे फेंक, तज कर मोह, स्मृति के पार/ हो चुका है सिद्ध , तू शिशु अभी नादान;/ फूल-काँटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान"।

(ज) "प्रतिबद्ध हूँ, जी हाँ, प्रतिबद्ध हूँ-/ बहुजन समाज की अनुपल प्रगति के निमित्त-/ संकुचित 'स्व' की आपाधापी के निषेधार्थ .../ अविवेकी भीड़ की 'भेडिया-धसान' के खिलाफ.../ अंध-बधिर 'व्यक्तियों' को सही राह बतलाने के लिए.../ अपने आप की भी 'व्यामोह' से बारंबार उबरने की खातिर"।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए 3x10 =30

(क) कुरुक्षेत्र के षष्ठ सर्ग के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'नदी के द्वीप' कविता में अभिव्यक्त कवि के विचारों को स्पष्ट कीजिये।

(ग) पठित कविताओं के आधार पर नागार्जुन के काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

(घ) 'मेरे भाषा के लोग' कविता के मूल उदेश्य पर विचार कीजिये।

(ड़) 'घिन तो नहीं आती' कविता के सारांश को अपने शब्दों में लिखिए।